

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा-वीबी-जीरामजी योजना पर अगले पांच साल में साढ़े सात लाख करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे।
- जयपुर में दो दिन के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन का समापन-केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने ए.आई. को सुशासन की अनिवार्य ज़रूरत बताया।
- राज्य में मॉनसून के प्रवेश के साथ कई स्थानों पर मध्यम से तेज़ बारिश-अगले 24 घंटों में अनेक जिलों में भारी बरसात की संभावना।
- प्रदेश में जुलाई महीने को “एंटी डेंगू माह” के रूप में मनाया जाएगा-विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित होंगी।

000

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण-वीबी-जी राम-जी का आज से राष्ट्र व्यापी शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और कृषि तथा किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के मुक्कावरिपल्ली गांव से इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि योजना के तहत पहले ही साल में 1 लाख 51 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वहीं अगले पांच सालों में साढ़े सात लाख करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इससे गांवों में रोजगार बढ़ने के साथ ही वहां की तस्वीर बदलेगी।

केन्द्रीय मंत्री ने घोषणा की कि अब किसी भी राज्य में मजदूरी 300 रुपये से कम नहीं होगी। मजदूरों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक खर्च 6 से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है।

इधर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ब्यावर जिले के मसूदा कृषि उपज मण्डी से राष्ट्रीय कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े। इस दौरान उन्होंने वीबी जी राम जी योजना के राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों की समृद्धि और विकास के लिए ये योजना लाई गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका और आपदाओं से निपटने संबंधी ठोस कार्य करवाए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगभग 424 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने देवमाली में 2 करोड़ रुपये की लागत से दर्शनार्थियों के लिए आश्रय स्थल बनाने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वीबी जी राम जी योजना के तहत दो लाभार्थियों को ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड का वितरण किया।

000

केन्द्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि सुशासन की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने एआई का बुद्धिमत्ता से उपयोग करने की ज़रूरत पर जोर दिया। श्री सिंह जयपुर में आयोजित दो दिवसीय 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए प्रशासनिक सोच में बदलाव ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि मिनिमम गर्वमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के मंत्र के अनुरूप सरकार नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन को बढ़ावा दे रही है। डॉ. सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार ने सुशासन में बाधक बन रहे करीब 2 हजार नियमों को समाप्त किया है, जिसमें दस्तावेजों के अनिवार्य सत्यापन सहित कई अन्य फैसले शामिल हैं। समारोह में श्री सिंह ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कारों का वितरण किया। इस साल सात श्रेणियों में कुल 17 ई-गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किए गये हैं। इनमें 10 स्वर्ण और 6 रजत पुरस्कार शामिल हैं। डिजिटलीकरण के माध्यम से जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को गहरा और व्यापक बनाने के लिए दिए गए पुरस्कारों में ग्राम पंचायत श्रेणी भी शामिल है। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में श्री सिंह ने कहा कि सम्मेलन में सभी राज्यों की भागीदारी रही, सभी ने अपने अनुभव साझा किये।

000

सहकार सप्ताह के तहत आज जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट कार्यों के लिए सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि **एक सबके लिए, सब एक के लिए** के सिद्धांत पर आधारित जनकल्याण की सशक्त विचारधारा है। उन्होंने कहा कि एकता, विश्वास और सामूहिक प्रयासों से हर चुनौती का सामना करते हुए समावेशी और सतत विकास का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

000

दक्षिण पश्चिम मॉनसून ने आज प्रदेश के पूर्वी हिस्सों से प्रवेश कर लिया है। मौसम विभाग के अनुसार सामान्य से 7 दिन की देरी से आया मॉनसून वर्तमान में टोंक, जयपुर और अलवर में सक्रिय है। भरतपुर के बयाना में आज तेज बरसात हुई। वहीं शहर के अलावा कई क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई। प्रतापगढ़ में 4 इंच से ज्यादा बारिश के समाचार हैं। चित्तौड़गढ़ में भी मूसलाधार बारिश हुई। दौसा में तेज बरसात से कई इलाकों में पानी भर गया। अलवर शहर और आस-पास के इलाकों में भी बरसात हुई। राजधानी जयपुर में सुबह से बादलों की आवाजाही रही। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मॉनसून के आगामी 2-3 दिनों में राज्य के कुछ और भागों में आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। उन्होंने बताया कि आज उदयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ मध्यम तो कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। वहीं कोटा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं अतिभारी बारिश का पूर्वानुमान है।

000

राज्य में जुलाई महीने को “एंटी डेंगू माह” के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान चिकित्सा विभाग की ओर से डेंगू की रोकथाम, मच्छर नियंत्रण और जनजागरुकता के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि मॉनसून के दौरान एडीज मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करना और आमजन की सक्रिय भागीदारी ही डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न विभागों का सहयोग लेते हुए समुदाय स्तर पर कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

000

केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ तथा संतुलित विकास के साथ जीवन को सुगम बनाने के प्रयास कर रही है। श्री यादव आज नई दिल्ली में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी : विकसित भारत के लिए देश को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी हब बनाने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से टिकाऊ औद्योगिक ईको सिस्टम का निर्माण हो रहा है। श्री यादव ने बताया कि सरकार पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ विकास सुनिश्चित करने पर काम कर रही है। यह सम्मेलन देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में तेजी लाने और वैश्विक इलेक्ट्रिक व्हीकल विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए आयोजित किया गया है। इसमें वरिष्ठ नीति निर्माता, प्रमुख उद्योगकर्मी, ऑटोमोटिव निर्माता, प्रौद्योगिकी प्रदाता और अन्य हितधारक मिलकर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

000

राजस्थान लोक सेवा आयोग-आरपीएससी ने भर्ती परीक्षाओं के कार्यक्रम में आंशिक बदलाव किया है। आरएसएस भर्ती प्रारंभिक परीक्षा अब 29 नवंबर के स्थान पर 6 दिसंबर को आयोजित की जाएगी, जबकि मुख्य परीक्षा अगले साल 1 और 2 मई को आयोजित होगी। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापक-विशेष शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा, 8 दिसंबर को आयोजित होगी। ये परीक्षा पहले 6 दिसंबर को होनी थी। इनके अलावा सहायक अभियोजन अधिकारी मुख्य परीक्षा 27 दिसंबर को आयोजित होगी।

000